SHODH SAMAGAM

ISSN : 2581-6918 (Online), 2582-1792 (PRINT)

संधारणीय विकास लक्ष्यों को आकार देने में छत्तीसगढ़ राज्य की भूमिका

कीर्ति पाण्डेय, पी–एचडी, **सरिता,** शोधार्थी, भूगोल विभाग
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग, छत्तीसगढ़, भारत

ORIGINAL ARTICLE

Authors
कीर्ति पाण्डेय, पी–एचडी
सरिता, शोधार्थी
E-mail : kirtiakp@gmail.com

shodhsamagam1@gmail.com

Received on : 18/12/2025
Revised on : 19/02/2026
Accepted on : 28/02/2026
Overall Similarity : 00% on 20/02/2026

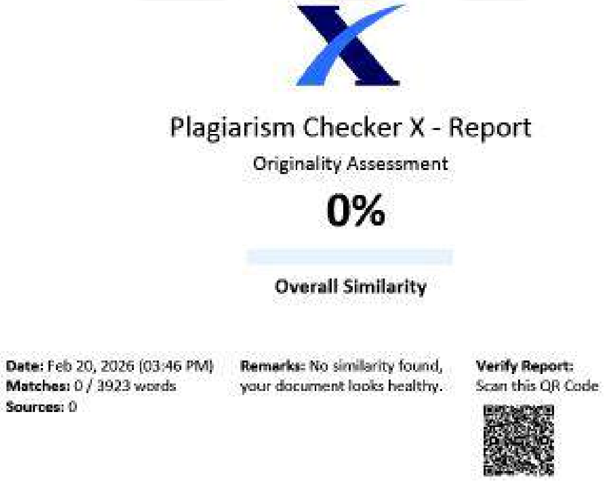

शोध सार

संयुक्त राष्ट्र संघ के एजेंण्डा 2030 तक के लक्ष्य–17 के विश्व मार्ग के इस यात्रा पर छत्तीसगढ़ राज्य ने भी अपना अथक प्रयास किया है। वर्ष 2015 से 2023 तक की यात्रा में राज्य को अत्यधिक जनसंख्या दबाव, अनुसूचित जनजाति क्षेत्र, संसाधनों की अपर्याप्त व तकनीकी ज्ञान की कमी, सुदूर व वनाच्छादित क्षेत्र के साथ, कोरोना काल में भी छत्तीसगढ़ राज्य ने सराहनीय प्रयास किया और विकास की इस यात्रा में अपना सराहनीय समग्र स्कोर प्रस्तुत किया। इस 8–9 वर्षों में अनेक समस्याओं का सामना करते हुए छत्तीसगढ़ राज्य ने चुनौतीपूर्वक समग्र स्कोर वर्ष 2023 में 69 अंक प्राप्त कर अग्रणी स्थान प्राप्त किया। इसका पूरा श्रेय वर्तमान 33 जिलों के ग्रामीण व शहरी क्षेत्र एवं साथ ही साथ छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा चलाए गए योजनाओं को भी जाता हैं।

मुख्य शब्द

संधारणीय विकास, समग्र स्कोर.

प्रस्तावना

आधुनिक युग में हमने विकास के तौर पर औधोगीकरण व नगरीकरण के जिन तरीको को अपनाया है, उसका परिणाम आज पर्यावरण के साथ–साथ संपूर्ण मानव जीवन भुगत रहा है। आज जब हमें ईंधन के लिए लकडी, पानी, बिजली आदि की कमी दिखने लगी तब जाकर हमें एहसास हुआ, कि प्राकृतिक संसाधन तो सीमित हैं। जिन तरीको से हम इनका अविवेकपूर्ण उपयोग कर रहे है, यह एक दिन खत्म हो जाएगा और उन पर टिकी हुई हमारी आर्थिक गतिविधियाँ एवं उत्पादन प्रणालियां थम जायेगी जिसके कारण हमारा अस्तित्व ही खत्म हो जायेगा। तब यह जाकर हमें यह अहसास कि विकास का मॉडल प्रकृति के विरूद्ध न होकर उनके

अनुरूप हो, प्रकृति की सहनशक्ति के मुताबिक हो और यही से शुरू हुई संधारणीय विकास लक्ष्य की अवधारणा।

शोध अध्ययन के उद्देश्य

1. संधारणीय विकास लक्ष्यों को आकार देने में छत्तीसगढ़ राज्य की भूमिका का अध्ययन करना।
2. संधारणीय विकास लक्ष्यों को आकार देने में सहयोग कर रहे वर्तमान जिलों का अध्ययन करना।
3. संधारणीय विकास लक्ष्यों का उच्च एवं निम्न स्कोर प्राप्त करने वाले जिलों का विश्लेषण करना।

परिकल्पना

1. वर्तमान जीवन में चल रहे समस्याओं के निदान पाने एवं संधारणीय विकास लक्ष्यों को आकार देने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य के साथ वर्तमान 33 जिले को भी लक्ष्य–14 और 17 को छोड़कर संपूर्ण उद्देश्य को अपनाना, आज के युग में सार्थक साबित हो सकता हैं।
2. सामाजिक समानता, बंधुत्व, पर्यावरण संरक्षण, आर्थिक विकास व राजनैतिकता, आदि हमारे जीवन मूल्य पर आधारित संधारणीय विकास लक्ष्य–17 एवं 169 उपलक्ष्य व्यवस्था आज भी निःसंदेह छत्तीसगढ़ राज्य के लिए सार्थक साबित हो सकता हैं।

शोध अध्ययन क्षेत्र

छत्तीसगढ़ राज्य प्रायद्वीपीय भारत का एक भाग हैं, जो प्राचीन गोंडवाना लैंण्ड का हिस्सा हैं। प्रदेश की उत्तरी एवं दक्षिणी भागों में आर्कियंस शैल समूह का सर्वाधिक विस्तार हैं। भूगर्भिक संरचना का प्रभाव वहां की भौगोलिक तत्व जैसे– धरातलीय बनावट, उच्चावच प्रतिरूप, प्रवाह – प्रणाली, खनिजों की उपलब्धता, कृषि प्रतिरूप, मानव अधिवास एवं यातायात आदि पर स्पष्ट प्रभाव परिलक्षित होता हैं। छत्तीसगढ़ पूर्वी मध्य प्रदेश के 16 जिलों को मिलाकर 1 नवंबर 2000 को भारत के हृदय स्थल से अलग होकर 26 वें राज्य के रूप में प्राकृतिक संपदा एवं धन–धान्य से परिपूर्ण नवोदित छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना हुई। इसके पश्चात वर्ष 2000 से 2023 तक कुल जिलों की संख्या 33 हो गया। इसका स्थिति–विस्तार $17^0 46''$ उत्तरी अक्षांश से $24^0 5''$ उत्तरी अक्षांश तक तथा $80^0 15''$ पूर्वी देशांतर से $84^0 25''$ पूर्वी देशांतर तक फैला हुआ हैं। राज्य का कुल क्षेत्रफल 1,35,191 वर्ग किलोमीटर है। उत्तर से दक्षिण का लंबाई 700 किलोमीटर तथा पूर्व से पश्चिम का चौड़ाई 435 किलोमीटर हैं। यहां भारत का 4.11 प्रतिशत भू–भाग हैं, जहां देश की 2.11 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती हैं।

शोध प्रविधि

प्रस्तुत शोध पत्र के अध्ययन द्वितीयक आंकड़ों पर आधारित हैं। "संधारणीय विकास लक्ष्यों को आकार देने में छत्तीसगढ़ राज्य की भूमिका" विषय को ज्ञात करने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य के आर्थिक सर्वेक्षण वर्ष 2021–22 एवं आर्थिक व सांख्यिकी संचालनालय,रायपुर द्वारा प्रकाशित पुस्तिका का अध्ययन किया गया हैं। पूर्ण परिणाम पाने के लिए सरकारी एवं गैर–सरकारी संस्थाओं द्वारा प्रकाशित विभागीय प्रतिवेदन, पत्र– पत्रिकाओं एवं इंटरनेट के माध्यम से आंकड़ों संग्रह किया गया हैं।

परिचर्चा एवं परिणाम

संधारणीय विकास

संधारणीय विकास का तात्पर्य हैं, ऐसा विकास जो हमेशा चलता रहे, गतिमान रहे। यह विकास अनन्त होता है। कोई भी विकास तभी निरंतर हो सकता हैं, जब प्राकृतिक संसाधनों को कोई नुकसान न हो। इस प्रकार इसमें प्रति व्यक्ति वास्तविक आय में वृद्धि, शिक्षा, स्वास्थ्य, एवं जीवन की गुणवत्ता में सुधार के साथ आर्थिक विकास ही प्राकृतिक संसाधनों की गुणवत्ता में सुधार के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सतत् सुधार पर बल दिया जाता हैं।

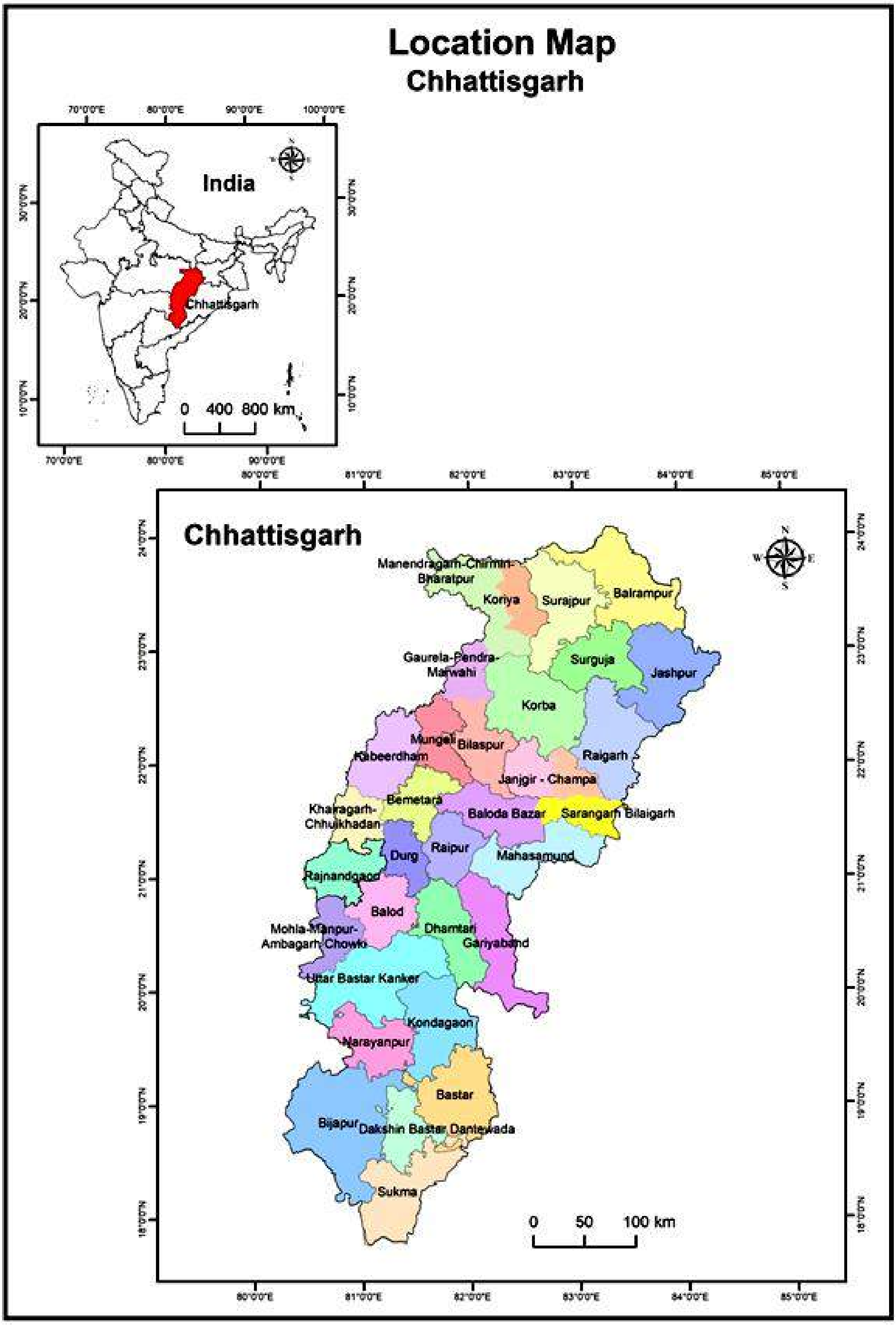
Location Map
Chhattisgarh
India
Chhattisgarh
0 400 800 km
Chhattisgarh
Manendragarh-Chirmiri-Bharatpur
Koriya
Surajpur
Balrampur
Surguja
Jashpur
Gaurela-Pendra-Marwahi
Korba
Mungeli
Bilaspur
Kabeerdham
Raigarh
Janjgir - Champa
Bemetara
Khairagarh-Chhuikhadan
Baloda Bazar
Sarangarh Bilaigarh
Durg
Raipur
Mahasamund
Rajnandgaon
Balod
Mohla-Manpur-Ambagarh Chowki
Dhamtari
Gariyaband
Uttar Bastar Kanker
Kondagaon
Narayanpur
Bastar
Bijapur
Dakshin Bastar Dantewada
Sukma
0 50 100 km

सतत् विकास शब्द वर्ष 1987 में संयुक्त राष्ट्र की "हमारा साझा भविष्य" रिपोर्ट में गढ़ा गया था, जिससे ब्रंटडलैंड रिपोर्ट के रूप में भी जाना जाता हैं। पूर्व में संधारणीय विकास की पारंपरिक धारा के रूप में तीन प्रमुख तत्वों आर्थिक विकास, सामाजिक समावेश एवं पर्यावरण संरक्षण के आधार पर अवलोकन किया जाता था। संयुक्त राष्ट्र और उसके सदस्य देश ने अक्टूबर 2015 में विश्व के सभी राष्ट्रो के लिए समान मानव अधिकार एवं न्याय को बढ़ावा देने के लिए संधारणीय विकास लक्ष्य को अपनाया, जिसमें 17 लक्ष्य एवं 169 उपलक्ष्य शामिल हैं। सतत विकास के 17 उद्देश्यों के बेहतर आंकलन के प्रयोजन हेतु पांच महत्वपूर्ण आयाम में वर्गीकृत किया गया है। इसमें लक्ष्य एवं आयाम दोनों शामिल हैं। लोग (लक्ष्य–1, 2, 3, 4, 5, 6), धरती (लक्ष्य–6, 12, 13, 14, 15), समृद्धि (लक्ष्य–7, 8, 9, 10, 11, 12), शांति (लक्ष्य–16) एवं साझेदार (लक्ष्य–17) हैं। जिन्हें 5 पी.एस. के नाम से भी जाना जाता हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य में संधारणीय विकास लक्ष्य

संधारणीय विकास लक्ष्यों को लागू करने में छत्तीसगढ़ राज्य का रिकॉर्ड कुशल श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराने और उनके जीवन स्तर में सुधार के लिए महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम लागू किया गया। सब्सिडी युक्त खाद्यान्न उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनिय लागु किया गया। स्वच्छ भारत अभियान के तहत राज्य को खुले में शौच से मुक्त बनाना हैं। सौर ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता के ऐसे अन्य नवीकरणीय स्रोतों का दोहन करने और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करने के लिए चरोदा भिलाई में नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन लक्ष्य 50 मेगावाट निर्धारित किया गया हैं। छत्तीसगढ़ राज्य में संधारणीय विकास लक्ष्यों का समग्र स्कोर 2021 में 64, 2022 में 68 एवं 2023 में 69 हैं। (सारणी क्रमांक 1)

सारणी क्रमांक 1: छत्तीसगढ राज्य का संधारणीय विकास लक्ष्य वर्षवार समग्र स्कोर, 2024

वर्ष 2021 छत्तीसगढ राज्य का समग्र स्कोर 64			वर्ष 2022 छत्तीसगढ का समग्र स्कोर 68		वर्ष 2023 छत्तीसगढ का समग्र स्कोर 69	
क्रं.	लक्ष्य	जिलेवार लक्ष्य का समग्र स्कोर	लक्ष्य	जिलेवार लक्ष्य का समग्र स्कोर	लक्ष्य	जिलेवार लक्ष्य का समग्र स्कोर
1	1	40	1	54	1	54
2	2	47	2	54	2	50
3	3	45	3	52	3	54
4	4	59	4	66	4	72
5	5	56	5	62	5	61
6	6	63	6	81	6	81
7	7	86	7	86	7	86
8	8	41	8	50	8	56
9	9	48	9	51	9	50
10	10	46	10	76	10	76
11	11	73	11	74	11	72
12	12	91	12	85	12	91
13	13	95	13	95	13	91
14	15	66	15	68	15	70
15	16	75	16	73	16	73

(स्रोतः द्वितीयक आंकडे)

संधारणीय विकास लक्ष्यों का उद्देश्य एवं 2021 से 2023 तक के समस्त जिलों का विश्लेषण

सतत् विकास लक्ष्य–17 के उद्देश्य के पूर्ति करने हेतु राज्यनीति आयोग छत्तीसगढ़ में एसडीजी निगरानी डैशबोर्ड 2030 तक के लिए अपनाई गई हैं, जिसमें कुल लक्ष्यों की संख्या 84, कुल संकेत संख्या 82 एवं कुल हितधारक विभाग 27 के साथ अकांशी, प्रदर्शन, अग्रणीय धावक एवं सफल चार प्रदर्शन रंगों से मापन कर समग्र

स्कोर प्रदान किया हैं, इसके अंतर्गत वर्ष 2023 का संधारणीय विकास लक्ष्य को जिलावार देखेंगे:

लक्ष्य–1 गरीबी की अंत

गरीबी एक बहुआयामी घटना हैं। यह न केवल आय की कमी या संसाधनों तक पहुंच को इंगित करता हैं, बल्कि यह शिक्षा, भूख और कुपोषण, सामाजिक भेदभाव और निर्णय लेने की प्रक्रिया में भाग लेने की अक्षमता के अवसरों में कमी के रूप में भी प्रकट होता हैं। लक्ष्य 1 में हर जगह से, सभी रूपों में, गरीबी को समाप्त करने में राज्य की प्रगति को मापने के लिए 7 लक्ष्य हैं। इन लक्ष्यों की प्रगति को मापने और निगरानी करने के लिए राज्य स्तर पर कुल 24 संकेतकों की पहचान की गई हैं। वर्ष 2023 में छत्तीसगढ़ राज्य के 33 जिलां में गरीबी को अंत करने वाले प्रथम जिला धमतरी हैं, इसका मुख्य कारण परिवहन साधन, कृषि उपजाऊ भूमि, समतल मैदान एवं सिंचाई का उत्तम व्यवस्था आदि हैं। वर्ष 2023 में 33 जिले के अंतर्गत सबसे अधिक गरीबी वाला जिला बीजापुर हैं, जिसका मुख्य कारण वनांचल के साथ सुदूर क्षेत्र, जनजाति बाहुल्य क्षेत्र, सिंचाई व्यवस्था का अभाव एवं परिवहन साधन का अभाव हैं।

लक्ष्य–2 भुखमरी समाप्त करना

2030 तक सभी प्रकार की भुखमरी एवं कुपोषण को समाप्त करना, यह सुनिश्चित करना कि सभी लोगों, विशेष रूप से कमजोर परिस्थितियों में रहने वाले लोगों को पूरे वर्ष पर्याप्त पौष्टिक भोजन मिले। कृषि उत्पादकता में सुधार के लिए बुनियादी ढांचे एवं प्रौद्योगिकी में निवेश सुनिश्चित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग। लक्ष्य में भोजन की उपलब्धता, पोषण में सुधार एवं टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने के लिए 8 लक्ष्य हैं। राज्य स्तर पर इन लक्ष्यों की प्रगति को मापने और निगरानी करने के लिए कुल 21 संकेतकों की पहचान की गई हैं। वर्ष 2023 में छत्तीसगढ़ राज्य के 33 जिलां में भुखमरी समाप्त करने वाले प्रथम जिला धमतरी हैं, इसका मुख्य कारण परिवहन साधन, कृषि उपजाऊ भूमि, समतल मैदान एवं सिंचाई का उत्तम व्यवस्था आदि हैं। वर्ष 2023 में 33 जिले के अंतर्गत सबसे अधिक भुखमरी वाला जिला दंतेवाडा हैं, जिसका मुख्य कारण वनांचल के साथ सुदूर क्षेत्र, जनजाति बाहुल्य क्षेत्र, सिंचाई व्यवस्था का अभाव एवं परिवहन साधन का अभाव हैं।

लक्ष्य–3 लोगों के लिए स्वास्थ्य आरोग्य

राज्य के सभी स्वास्थ्य प्राथमिकताओं को संबोधित करना, जिसमें प्रजनन, मातृ और बाल स्वास्थ्य संचारी, गैर–संचारी एवं पर्यावरणीय रोग सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज और सुरक्षित, प्रभावी, गुणवत्ता और सस्ती दवाओं और टीकों तक पहुंच शामिल हैं। लक्ष्य में स्वस्थ जीवन को मापने और अच्छी तरह से बढ़ावा देने के लिए 13 लक्ष्य हैं। सभी के लिए होना, इन लक्ष्यों की प्रगति को मापने एवं निगरानी करने के लिए राज्य स्तर पर कुल 38 संकेतकों की पहचान की गई हैं। वर्ष 2023 में छत्तीसगढ़ राज्य के 33 जिलां में लोगों के लिए स्वास्थ्य आरोग्यत को समाप्त करने वाले प्रथम जिला कबीरधाम है, इसका मुख्य कारण परिवहन साधन, प्राथमिक स्वास्थ्य का उत्तम व्यवस्था आदि है। वर्ष 2023 में 33 जिले के अंतर्गत सबसे अधिक स्वास्थ्य आरोग्यत वाला जिला दंतेवाडा हैं, जिसका मुख्य कारण वनांचल के साथ सुदूर क्षेत्र, जनजाति बाहुल्य क्षेत्र, सिंचाई व्यवस्था का अभाव एवं परिवहन साधन का अभाव हैं।

लक्ष्य–4 गुणवत्तापरक शिक्षा

इसका उद्देश्य सभी लड़कों के लिए गुणवत्ता परक शिक्षा एवं लड़कियों द्वारा प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा को पूरा करना सुनिश्चित करना हैं, और सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा तक समान पहुंच के अवसरों की गारंटी देना हैं। समावेशी एवं समान गुणवत्ता वाली शिक्षा को मापने एवं आजीवन सीखने के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए लक्ष्य के 10 लक्ष्य हैं। इन लक्ष्यों की प्रगति की निगरानी के लिए राज्य स्तर पर कुल 20 संकेतकों की पहचान की गई हैं। वर्ष 2023 में छत्तीसगढ़ राज्य के 33 जिलां में गुणवत्तापरक शिक्षा प्राप्त करने वाला प्रथम जिला धमतरी हैं, इसका मुख्य कारण परिवहन साधन, शिक्षा की उत्तम व्यवस्था आदि हैं। वर्ष 2023 में 33 जिले के अंतर्गत सबसे कम गुणवत्तापरक शिक्षा प्राप्त करने वाला जिला सरगुजा हैं, जिसका मुख्य कारण वनांचल के साथ सुदूर क्षेत्र, जनजाति बाहुल्य क्षेत्र, शिक्षा व्यवस्था का अभाव, जागरुकता का अभाव एवं परिवहन साधन का अभाव हैं।

लक्ष्य–5 लैंगिक समानता

इस लक्ष्य में लैंगिक समानता की निगरानी एवं सशक्तिकरण सुनिश्चित करने के लिए 9 लक्ष्य हैं। महिलाओं और लड़कियों की संख्या के आधार पर इन लक्ष्यों के प्रगति की निगरानी के लिए राज्य स्तर पर कुल 27 संकेतकों की पहचान की गई हैं। वर्ष 2023 में छत्तीसगढ़ राज्य के 33 जिलां में लैंगिक समानता को समाप्त करने वाला प्रथम जिला कबीरधाम हैं, इसका मुख्य कारण शिक्षित एवं समझदार परिवार हैं। वर्ष 2023 में 33 जिले के अंतर्गत सबसे अधिक लैंगिक समानता वाला जिला सुकमा हैं, जिसका मुख्य कारण वनांचल के साथ सुदूर क्षेत्र, जनजाति बाहुल्य क्षेत्र, शिक्षित एवं समझदार परिवार का अभाव एवं परिवहन साधन का अभाव हैं।

लक्ष्य–6 शुद्ध जल एवं स्वच्छता

पानी की कमी, खराब पानी की गुणवत्ता एवं अपर्याप्त स्वच्छता दुनिया भर में गरीब परिवारों के लिए खाद्य सुरक्षा, आजीविका विकल्पों एवं शैक्षिक अवसरों पर नकारात्मक प्रभाव डालती हैं। सभी के लिए पानी और स्वच्छता की उपलब्धता एवं सतत प्रबंधन सुनिश्चित करें, और वैश्विक राजनीतिक क्षेत्र में पानी एवं स्वच्छता पर बढ़ते ध्यान को दर्शाता हैं। 2030 एजेंडा मानता हैं, कि सामाजिक विकास और आर्थिक समृद्धि मीठे पानी के संसाधनों एवं पारिस्थितिक तंत्र के सतत प्रबंधन पर निर्भर करती हैं। सभी के लिए जल एवं स्वच्छता की उपलब्धता और सतत प्रबंधन सुनिश्चित करने के लक्ष्य के तहत कुल 8 सतत विकास लक्ष्य। इन लक्ष्यों की प्रगति को मापने और निगरानी करने के लिए राज्य स्तर पर कुल 14 संकेतकों की पहचान की गई हैं। वर्ष 2023 में छत्तीसगढ़ राज्य के 33 जिलां में शुद्ध जल एवं स्वच्छता वाला प्रथम जिला मुंगेली हैं, इसका मुख्य कारण परिवहन साधन, शिक्षित परिवार आदि हैं। वर्ष 2023 में 33 जिले के अंतर्गत सबसे कम शुद्ध जल एवं स्वच्छता वाला जिला बलरामपुर हैं, जिसका मुख्य कारण वनांचल के साथ सुदूर क्षेत्र, जनजाति बाहुल्य क्षेत्र, शिक्षा व्यवस्था का अभाव एवं परिवहन साधन का अभाव हैं।

लक्ष्य–7 किफायती एवं स्वच्छ ऊर्जा

इस लक्ष्य का उद्देश्य ऊर्जा दक्षता में सुधार करना, नवीकरणीय स्रोतों के उपयोग में वृद्धि करना और टिकाऊ एवं आधुनिक ऊर्जा को बढ़ावा देना हैं। सभी के लिए इस लक्ष्य के तहत कुल 5 लक्ष्य सभी के लिए सस्ता, भरोसेमंद, टिकाऊ एवं आधुनिक ऊर्जा तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए हैं। इन लक्ष्यों की प्रगति को मापने एवं निगरानी करने के लिए राज्य स्तर पर कुल 5 संकेतकों की पहचान की गई हैं। वर्ष 2023 में छत्तीसगढ़ राज्य के 33 जिलां में किफायती एवं स्वच्छ ऊर्जा प्राप्त करने वाले प्रथम जिला बस्तर हैं। वर्ष 2023 में 33 जिले के अंतर्गत सबसे कम किफायती एवं स्वच्छ ऊर्जा प्राप्त करने वाला जिला बीजापुर हैं, जिसका मुख्य कारण वनांचल के साथ सुदूर क्षेत्र, जनजाति बाहुल्य क्षेत्र एवं शिक्षा का अभाव हैं।

लक्ष्य–8 उत्कृष्ट कार्य एवं आर्थिक विकास

उद्यमशीलता एवं रोजगार सृजन को प्रोत्साहित करने वाली नीतियों को बढ़ावा देना इस लक्ष्य के लिए महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि मजदूर श्रम, सस्ता एवं मानव तस्करी को खत्म करने के प्रभावी उपाय हैं। इस लक्ष्य के तहत कुल 12 लक्ष्य सभी के लिए अच्छा काम एवं आर्थिक विकास सुनिश्चित करना हैं। समाज की लक्ष्य के प्रगति को मापने एवं निगरानी करने के लिए राज्य स्तर पर कुल 31 संकेतकों की पहचान की गई हैं। वर्ष 2023 में छत्तीसगढ़ राज्य के 33 जिलों में उत्कृष्ट कार्य एवं आर्थिक विकास करने वाले प्रथम जिला रायपुर हैं, इसका मुख्य कारण परिवहन साधन, औद्योगीकरण एवं राजधानी हैं। वर्ष 2023 में 33 जिले के अंतर्गत सबसे कम उत्कृष्ट कार्य एवं आर्थिक विकास वाला जिला गोरेला, पेंड्रा, मरवाही हैं, जिसका मुख्य कारण सुदूर क्षेत्र, उद्योग का अभाव एवं परिवहन साधन का अभाव हैं।

लक्ष्य–9 उद्योग,नवाचार एवं बुनियादी ढांचे का विकास

अपनी प्रगति को मापने के लिए 8 लक्ष्य हैं। इन लक्ष्यों की प्रगति को मापने एवं निगरानी करने के लिए राज्य स्तर पर कुल 13 संकेतकों की पहचान की गई हैं। वर्ष 2023 में छत्तीसगढ़ राज्य के 33 जिलों में उद्योग,नवाचार एवं बुनियादी ढांचे का विकास करने वाले प्रथम जिला दुर्ग हैं, इसका मुख्य कारण परिवहन साधन, कृषि उपजाऊ भूमि, समतल मैदान, औद्योगीकरण, नगरीकरण एवं सिंचाई का उत्तम व्यवस्था आदि हैं। वर्ष 2023 में 33 जिले के

अंतर्गत सबसे कम उद्योग,नवाचार एवं बुनियादी ढांचे का विकास करने वाला जिला बीजापुर हैं, जिसका मुख्य कारण वनांचल के साथ सुदूर क्षेत्र, जनजाति बाहुल्य क्षेत्र, कृषि उपजाऊ भूमि में कमी, सिंचाई व्यवस्था का अभाव एवं परिवहन साधन का अभाव हैं।

लक्ष्य–10 असमानताओं में कमी लाना

इस लक्ष्य में मुख्य रूप से वित्तीय बाजारों एवं संस्थानों को विनियमित एवं निगरानी करके, जहां आवश्यक हो, क्षेत्रों में विकास सहायता और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को प्रोत्साहित करके असमानता को कम करने के 10 लक्ष्य हैं, इन लक्ष्यों की प्रगति को मापने एवं निगरानी करने के लिए राज्य स्तर पर कुल 9 संकेतकों की पहचान की गई हैं। वर्ष 2023 में छत्तीसगढ़ राज्य के 33 जिलां में असमानताओं में कमी लाने वाला प्रथम जिला रायगढ़ हैं। वर्ष 2023 में 33 जिले के अंतर्गत सबसे कम असमानताओं में कमी लाने वाला जिला गरियाबद हैं, जिसका मुख्य कारण वनांचल के साथ सुदूर क्षेत्र, शिक्षा व्यवस्था का अभाव एवं परिवहन साधन का अभाव है।

लक्ष्य–11 संधारणीय शहर एवं समुदाय

इसके अंतर्गत लक्ष्यों की प्रगति को खोज करने एवं उपायों को राष्ट्रीय नीतियों में एकीकृत करने के लिए राज्य स्तर पर कुल 4 राज्य संकेतकों की पहचान की गई हैं। वर्ष 2023 में छत्तीसगढ़ राज्य के 33 जिलां में संधारणीय शहर एवं समुदाय प्राप्त करने वाले प्रथम जिला धमतरी हैं। वर्ष 2023 में 33 जिले के अंतर्गत सबसे कम संधारणीय शहर एवं समुदाय वाला जिला जशपुर हैं, जिसका मुख्य कारण वनांचल के साथ सुदूर क्षेत्र, जनजाति बाहुल्य क्षेत्र, सिंचाई व्यवस्था का अभाव एवं परिवहन साधन का अभाव हैं।

लक्ष्य–12 जिम्मेदारी के साथ उपभोग एवं उत्पादक

इसमें सतत् उपभोग व कचरे को कम करने पर जागरूकता बढ़ाने एवं शिक्षा के माध्यम से उपभोक्ताओं को शामिल करना शामिल हैं। टिकाऊ खपत व उत्पादन पैटर्न को मापने के लिए कुल 11 लक्ष्य शामिल हैं। इन लक्ष्यों की प्रगति को मापने एवं निगरानी करने के लिए राज्य स्तर पर कुल 16 संकेतकों की पहचान की गई हैं। वर्ष 2023 में छत्तीसगढ़ राज्य के 33 जिलां में जिम्मेदारी के साथ उपभोग एवं उत्पादक करने वाले प्रथम जिला जशपुर हैं। वर्ष 2023 में 33 जिले के अंतर्गत सबसे कम जिम्मेदारी के साथ उपभोग एवं उत्पादक करने वाला जिला गोरेला,पेंड्रा,मरवाही हैं, जिसका मुख्य कारण वनांचल के साथ सुदूर क्षेत्र, शिक्षा व्यवस्था का अभाव एवं परिवहन साधन का अभाव हैं।

लक्ष्य–13 जलवायु कार्यवाही

जलवायु संबंधी खतरों के बदलते प्रभावों को मापने के लिए कुल 5 लक्ष्य हैं। इन लक्ष्यों की प्रगति को मापने और निगरानी करने के लिए राज्य स्तर पर कुल 7 संकेतकों की पहचान की गई हैं। वर्ष 2023 में छत्तीसगढ़ राज्य के 33 जिलां में जलवायु कार्यवाही प्राप्त करने वाले प्रथम जिला बालोद हैं। वर्ष 2023 में 33 जिले के अंतर्गत सबसे कम जलवायु कार्यवाही जिला बस्तर हैं।

लक्ष्य–14 जल में जीवन

सतत् विकास के लिए महासागरों, समुद्रों और समुद्री संसाधनों का संरक्षण और सतत उपयोग हैं। इस के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य सामिल नहीं हैं।

लक्ष्य–15 भूमि पर जीवन

स्थलीय पारिस्थितिक तंत्र के बदलते स्वास्थ्य और स्थिति को मापने के लिए कुल 12 लक्ष्य हैं। इन लक्ष्यों की प्रगति को मापने एवं निगरानी करने के लिए जिला स्तर पर कुल 9 संकेतकों की पहचान की गई है। वर्ष 2023 में छत्तीसगढ़ राज्य के 33 जिलां में भूमि पर जीवन करने वाले प्रथम जिला बस्तर है, इसका मुख्य कारण वनभूमि है। वर्ष 2023 में 33 जिले के अंतर्गत सबसे अधिक गरीबी वाला जिला बालोद है, जिसका मुख्य कारण वनांचल के साथ सुदूर क्षेत्र एवं परिवहन साधन का अभाव है।

लक्ष्य–16 शांति न्याय एवं सुदृढ़ संस्थाएं

2030 के लिए वैश्विक सतत् विकास एजेंडा पारदर्शी और प्रभावी स्थानीय शासन और न्यायिक प्रणाली को बढ़ावा देता है, अपराध, यौन और लिंग आधारित हिंसा को कम करता है, मानव हत्या और तस्करी के मामलों से निपटता हैं, और बच्चों के अधिकारों के उल्लंघन को भी समाप्त करता है। सतत विकास के लिए शांतिपूर्ण और समावेशी समाजों को बढ़ावा देना, सभी के लिए न्याय तक पहुंच प्रदान करना और सभी स्तरों पर प्रभावी, जवाबदेह और समावेशी संस्थानों का निर्माण करना शामिल हैं। शांतिपूर्ण और न्यायपूर्ण समाज सुनिश्चित करने के लिए 12 लक्ष्य शामिल हैं। इन लक्ष्यों की प्रगति को मापने और निगरानी करने के लिए राज्य स्तर पर कुल 21 संकेतकों की पहचान की गई है। वर्ष 2023 में छत्तीसगढ़ राज्य के 33 जिलां में शांति न्याय एवं सुदृढ़ संस्थाएं बनायें रखने वाले प्रथम जिला दंतेवाडा हैं। वर्ष 2023 में 33 जिले के अंतर्गत सबसे अधिक गरीबी वाला जिला बलरामपुर है, जिसका मुख्य कारण वनांचल के साथ सुदूर क्षेत्र, जनजाति बाहुल्य क्षेत्र एवं शिक्षा का अभाव है।

लक्ष्य–17 लक्ष्य के लिए भागीदारियां

सतत् विकास के लिए वैश्विक भागीदारी को लागू करने और पुनर्जीवित करने के साधनों को मजबूत करना शामिल हैं। सतत विकास को प्राप्त करने के लिए विभिन्न हितधारकों जैसे सरकार, समाज आदि के बीच साझेदारी आवश्यक है। कार्यान्वयन के साधनों को मजबूत करने और वैश्विक साझेदारी को पुनर्जीवित करने के लिए कुल 9 लक्ष्य शामिल हैं। लक्ष्यों की प्रगति को ट्रैक करने और उपायों को राष्ट्रीय नीतियों में एकीकृत करने के लिए भारत के राज्य स्तर पर कुल 4 राज्य संकेतकों की पहचान की गई है। इस लक्ष्य के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य नहीं आता है।

निष्कर्ष

निष्कर्ष के रूप में हम यही कहा सकते हैं, कि कोई भी विकास मनुष्य के अस्तित्व से बड़ा नहीं हो सकता है। मनुष्य का अस्तित्व तभी तक जीवित है, जब तक प्रकृति में मौजूद तत्व के मध्य सामंजस्य स्थापित रहेगा।जहां हमारी छत्तीसगढ़ राज्य की संस्कृति संधारणीय विकास जैसी अवधारणाओं के आने से वर्षों पूर्व ही प्राकृति में मौजूद तत्व जल,वायु अग्नि, नदी, पहाड़ व पेड़–पौधों को पूज्यनीय माना जाता था, इसलिए हमें वर्तमान में ऐसे संस्कृति व विचारधारा को वैश्विक रूप से अपनाना होगा, जिसमें हम विकास की दौड़ में दौड़ना तो हैं परंतु मात्र एक समय अंतराल के लिए नहीं, बल्कि निरंतर व सतत रूप से। वर्तमान में हमारे समक्ष जो भी चुनौतियां आ रही है, वह सभी हमारे ही कारण से विकसित हो रही है। अतः हमें आगे अब ऐसा विकास नहीं करना चाहिए, जिसे हमारे आने वाली पीढ़ियों को अपने अस्तित्व की लड़ाई हमारे किये हुए कार्यों के परिणाम से लड़नी पड़े। छत्तीसगढ़ राज्य संधारणीय विकास लक्ष्य की प्राप्ति की ओर अग्रसर है। वर्ष 2015 से 2023 के विकास की यह यात्रा में भी छत्तीसगढ़ राज्य ने समग्र स्कोर 69 अंक लाकर संतुष्टि पूर्वक विकास परिणाम प्राप्त किया है। राज्य में सतत विकास लक्ष्य को आकार देने में राज्य एवं जिला स्तर पर मॉनिटरिंग हेतु राज्य नीति आयोग छत्तीसगढ़ द्वारा क्रमश राज्य इंडिकेटर फ्रेमवर्क (एस आई एफ) एवं डिस्ट्रिक्ट इंडिकेटर फ्रेमवर्क (डी आई एफ) का निर्धारण किया गया है। वर्ष 2030 तक सफलतापूर्वक लक्ष्य– 17 से मुक्ति पाने के लिए राज्य में 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 15, 16 लक्ष्य हैं। इसमें से संतोष पूर्वक सफलता कुल 15 लक्ष्यों को ही प्राप्त हुई हैं। संधारणीय विकास लक्ष्य की प्राप्ति का मूल मंत्र हैं। सरकार की सरकारी सहभागिता के साथ सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास एवं हम सब का सहयोग के साथ सतत् विकास लक्ष्य के प्राप्ति में छत्तीसगढ़ सरकार का भी सहयोग अवश्यक हैं।

संदर्भ सूची

1. Economic Survey (2023-24) Economic & Statistics Directorate Raipur, p 437-466.
2. Huseain, Akhtar and Bharti, Maya (2024) Sustainable Devalopment Goals and India, *Journal of Social Review and Development,* 3(1) 121-123, Dzarc Publications, Pune.

3. Lata, Sunita (2024) India's Role in Sustainable Development Goals, *Journal of Social Review and Development,*3(1) 71-73, Dzarc Publications, Pune.

5. Singh, Pushpendra (2022) Sustainable Devalopment Goals 17×Wold Path : Journey to India, *Research Revive International Journal of Multi Disciplinary,*07(05) 128-132.

6. Verma, L. N. (2018) *Chhattisgarh Geographical Studies,* Chhattisgarh State Hindi Granth Academy, Raipur, p. 8.

7. Verma, Nishu and Kumar, Pravesh (2024) India's Role in Shaping Sustainable Development, *Journal of Social Review and Development,*3(1) 68-70, Dzarc Publications, Pune.

8. https://sdgspc.cg.gov.in. Accessed on 18/05/2025.

9. https://cgstate.gov.in. Accessed on 02/06/2025.

10. https://sdgindiaindex.nitigov.in. Accessed on 16/06/2025.

****